प्रयोग क्रमांक – 1

प्रत्यक्षीकरण पर विन्यास का प्रभाव

भूमिका :–

प्रत्यक्षीकरण का अर्थ :–

प्रत्यक्षीकरण एक मानसिक प्रक्रिया है एवं मनोविज्ञान व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं के अध्ययन का विज्ञान है। व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रिया का सही अध्ययन प्रत्यक्षीकरण पर निर्भर करता है। प्रत्यक्षीकरण की क्रिया संवेदन की प्रक्रिया से प्रारम्भ होती है और किसी व्यवहार को करने के पहले तक होती है इस प्रकार यह प्रक्रिया प्रत्यक्षीकरण कहलाती है।

प्रत्यक्षीकरण एक सक्रिय चयनात्मक एवं संज्ञानात्मक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति को अपने आंतरिक वातावरण तथा बाह्य वातावरण में उपस्थित वस्तुओं का तात्कालिक अनुभव होता है किसी व्यक्ति को स्वयं प्रत्यक्ष रूप से जानने की कोशिश करना प्रत्यक्षीकरण कहलाता है।

प्रत्यक्षीकरण की परिभाषा :–

प्रत्यक्षोकरण को विभिन्न लोगों ने अलग–अलग ढंग से परिभाषित किया है।

1. एटकिन्सन तथा हिलगार्ड के अनुसार :– प्रत्यक्षीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम वातावरण में उपस्थित उद्दीपक की व्याख्या करते है।

2. कोलमैन के अनुसार :– प्रत्यक्षीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा जीव अपने आंतरिक अंगों तथा वातावरण के द्वारा सूचना प्राप्त करता है।

प्रत्यक्षीकरण को प्रभावित करने वाले कारक :–

प्रत्यक्षीकरण को प्रभावित करने वाले क्षेत्र में किए गये अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि प्रत्यक्षीकरण पर व्यक्ति की मानसिक वृत्ति, मनोवृत्ति, अभिप्रेरणा तथा सामाजिक एवं संस्कृतिक कारकों का प्रभाव पड़ता है।

इन सभी तरह के कारकों को निम्नलिखित तीन मुख्य भागों में बाँटा गया है:–

1. प्रत्यक्षीकरण में व्यक्तिगत कारकों की भूमिका
2. प्रत्यक्षीकरण में सामाजिक कारकों की भूमिका
3. प्रत्यक्षीकरण में संस्कृतिक कारकों की भूमिका

विन्यास :–

मानसिक तत्परता की एक ऐसी अवस्था जो व्यक्ति के मानसिक व्यवहारों को एक ही दिशा में ले जाती है। मानसिक विन्यास चिन्तन का वह निश्चित तरीका है जहाँ व्यक्ति नयी सूचनाओं या परिवर्तित सूचनाओं को अचानक ग्रहण करने में कई बार असफल हो जाता है।

तालिका क्रमांक – 01

प्रायोगिक अभिकल्प

अवस्था	प्रत्यक्षीकरण कार्य	मपन
I अनिश्चित विन्यास अवस्था	अनिश्चित विन्यास से संबंधित 10 एनाग्राम एक–एक करके हल करन हेतु अधिकतम 30 सेकण्ड के लिए	प्रत्येक एनाग्राम को हल करने में लगा समय एवं त्रुटि
	5 मिनट विश्राम	
II निश्चित विन्यास अवस्था	निश्चित विन्यास से संबंधित 10 एनाग्राम एक–एक करके हल करने हेतु अधिकतम 30 सेकण्ड के लिए	प्रत्येक एनाग्राम को हल करने में लगा समय एवं त्रुटि

समस्या :–

यह अध्ययन करना कि क्या प्रत्यक्षीकरण पर विन्यास का कोई प्रभाव पड़ता है?

उपकल्पना :–

विन्यास का प्रत्यक्षीकरण पर धनात्मक प्रभाव पड़ेगा। अन्य शब्दों में, निश्चित विन्यास की अवस्था में प्रत्यक्षीकरण की प्रक्रिया सरल एवं शीघ्र होगी।

परिवर्त्य :– स्वतंत्र चर – प्रत्यक्षीकरण

परतंत्र चर – विन्यास

विधि एवं प्रक्रिया :– प्रयोज्य का परिचय

नाम :–

उम्र :–

लिंग :–

शिक्षा :–

प्रायोगिक सामग्री :–

10–10 एनाग्राम के 2 सेट कार्ड, एक सेट में समस्त एनाग्राम एक ही वर्ग से संबंधित तथा द्सरे सेट में समस्त एनाग्राम विभिन्न वर्गों से संबंधित, पेपर, पेंसिल एवं स्टॉपवॉच।

प्रायोगिक अभिकल्प :–

प्रत्यक्षीकरण पर विन्यास के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु यह प्रयोग दो अवस्थाओं में करवाया जाएगा। प्रथम अवस्था अनिश्चित विन्यास में प्रयोज्य को विभिन्न वर्गों से संबंधित एनाग्राम एक–एक करके अधिकतम 30 सेकण्ड के लिए हल करने हेतु दिए जाऐंगे इसी प्रकार कुल 10 एनाग्राम हल करने के लिए एक–एक करके दिए जायेगे। इसके बाद प्रयोज्य को 5 मिनट का विश्राम दिया जायेगा जिसके पश्चात् दूसरी अवस्था निश्चित विन्यास की प्रारंभ की जायेगी, जिसमें प्रयोज्य को किसी एक ही वर्ग से संबंधित एनाग्राम जैसे – जानवरों के नाम रंगों के नाम इत्यादि होंगे। इस अवस्था में भी एनाग्राम प्रयोज्य को एक–एक करके हल करने

हेतु 30 सेकण्ड के लिए दिए जायेगे। दोनों अवस्थाओं में यदि प्रयोज्य एनाग्राम को हल नहीं कर पायगा तो उसे असफल मानते हुए 30 सेकण्ड का समय अंकित कर लिया जाएगा। दोनो अवस्थाओं में प्रत्येक एनाग्राम में लगा समय एवं त्रुटि को अंकित कर लिया जाएगा। निश्चित विन्यास की अवस्था में पात्र को विन्यास उत्पन्न करने हेतु विशेष निर्देश दिए जायेंगे।

तालिका क्रमांक – 02 अवलोकन सारणी

अनिश्चित विन्यास अवस्था

क्रं.	प्रस्तुत एनाग्राम	सही हल	पात्र हल	परिणाम	समय सेकण्ड में
1	OBTA				
2	OXB				
3	ALGSS				
4	EPN				
5	UMG				
6	JGU				
7	LOTHC				
8	EAHD				
9	RAIH				
10	NPI				

कुल सही हल –

प्रतिशत –

कुल समय –

कुल औसत –

प्रायोगिक नियंत्रण :–

प्रयोग प्रारंभ करने के पूर्व तथा प्रयोग के दौरान निम्नलिखित सावधानियाँ रखी गयीः–

1. प्रयोज्य के साथ सौहाद्रपूर्ण संबंध स्थापित किये।
2. प्रयोगशाला का वातावरण शांत रखा गया।
3. प्रकाश की उपयुक्त व्यवस्था की गई।
4. पात्र के निष्पादन पर कोई टिका–टिप्पणी नहीं की गई।
5. पात्र मनोविज्ञान का छात्र ना हो इस बात का ख्याल रखा गया।
6. प्रत्येक एनाग्राम एक–एक करके हल करवाया गया।
7. प्रयोग प्रारंभ करने के पूर्व पात्र से सारी सामग्री हुआ कर रखी गई।

तालिका क्रमांक – 03 अवलोकन सारणी

निश्चित विन्यास अवस्था

क्रं.	प्रस्तुत एनाग्राम	सहो हल	पात्र हल	परिणाम	समय सेकण्ड में
1	YEE				
2	THTEE				
3	PILS				
4	SENO				
5	REA				
6	NADH				
7	TEFE				
8	MACHTOS				
9	EGL				
10	UOMTH				

कुल सही हल –

कुल समय –

कुल औसत –

प्रायोगिक निर्देश :–

प्रयोग प्रारंभ करने के पूर्व पात्र को निम्नलिखित निर्देश दिए गए :–

मैं आपके साथ एक साधारण सा प्रयोग करने जा रही/रहा हूँ जिसकी सफलता आपके सहयोग पर निर्भर करती है अतः आप मेरी बातों को ध्यान पूर्वक सुने एवं निर्देशों का पालन करने का प्रयास करें।

इस प्रयोग की पहली अवस्था में आपको कुछ एनाग्राम हल करने हेतु दिए जायेंगे। एनाग्राम किसी शब्द का परिवर्तित रूप है जैसे – ENP = PEN की अक्षर व्यवस्था को बदल दिया गया है। आपका कार्य सरल है आपको प्रत्येक एनाग्राम को हल करने हेतु 30 सेकण्ड का समय दिया जाएगा। यदि आप एनाग्राम हल नहीं कर पाये तो दूसरा एनाग्राम निश्चित समय में हल करने हेतु दिया जायेगा। इसी प्रकार कुल 10 एनाग्राम हल करने हेतु दिए जायेंगे इस अवस्था के पश्चात् आपको 5 मिनट का विश्राम दिया जाएगा, इसके पश्चात् दूसरी अवस्था प्रारंभ की जाएगी इस अवस्था के एनाग्राम किसी एक ही वर्ग से संबंधित होंगे।

दूसरी अवस्था मं जैसे ही आप एनाग्राम हल करना शुरू करेंगे आपको पता चल जायेगा यहाँ एनाग्राम एक ही वर्ग से है तथा आप इसे शीघ्रता पूर्वक पूर्ण करेंगे बाकी सभी प्रक्रिया प्रथम अवस्था के जैसी होगी। यदि प्रयोग संबंधी कोई भी बात आपको समझ में नहीं आयी हो तो दूबारा पूछ ले।

प्रायोगिक प्रक्रिया :–

प्रस्तुत प्रयोग प्रत्यक्षीकरण पर विन्यास के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु किया गया प्रयोगशाला का वातावरण शांत रखते हुए पात्र के साथ सौहादपूर्ण संबंध स्थापित किए गये, सभी निर्देश पात्र को दिये गये तथा प्रयोग प्रारंभ किया गया।

प्रयोग को प्रथम अवस्था में पात्र को विभिन्न वर्गों से संबंधित 10 एनाग्राम एक–एक करके अधिकतम 30 सेकण्ड के लिए हल करने हेतु दिये गये तथा प्रस्तुत हल का समय एवं त्रृटि को अंकित कर लिया गया जिस एनाग्राम को पात्र हल नही कर पाये उसमें उसे असफल मानते हुए हल का समय 30 सेकण्ड माना गया।

प्रयोग कि दूसरी अवस्था निश्चित विन्यास को 5 मिनट विश्राम के पश्चात् प्रारंभ किया गया, जिसमें प्रयोज्य को केवल 1 ही वर्ग से संबंधित एनाग्राम जैसे– अंगो के नाम एक–एक करके अधिकतम 30 सेकण्ड के लिए हल करने हेतु दिए गए बाकी पूरी प्रक्रिया प्रथम अवस्था के समान को गई। दोनों अवस्थाओं में प्राप्त आकंड़ों का विश्लेषण कर उपयुक्त परिणाम निकाल लिए गए।

तालिका क्रमांक – 04

प्रदत्त विश्लेषण

अवस्था	कुल प्रस्तुत एनाग्राम	पात्र द्वारा कुल हल	सही हल प्रतिशत	पात्र द्वारा लिया गया समय	औसत समय
I अनिश्चित विन्यास	10				
II निश्चित विन्यास	10				

प्रदत्त विश्लेषण :–

प्रस्तुत प्रयोग प्रत्यक्षीकरण पर विन्यास के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु किया गया, जिसमें प्रथम अवस्था अनिश्चित विन्यास में पात्र को विभिन्न वर्गों से संबंधित 10 एनाग्राम हल करने हेतु दिए गए जिसमें पात्र ने .... एनाग्राम हल किये जिसका प्रतिशत .... प्राप्त हुआ तथा एनाग्राम को हल करने में ....सेकण्ड का समय लगा जिसका .... औसत प्राप्त हुआ। इसी प्रकार दूसरी अवस्था निश्चित विन्यास में पात्र को एक ही वर्ग से संबंधित 10 एनाग्राम हल करने हेतु दिए गए जिसमें पात्र ने .... एनाग्राम हल किये तथा जिसका .... प्रतिशत प्राप्त हुआ तथा एनाग्राम हल करने में .... सेकण्ड का समय लगा जिसका औसत ... . प्राप्त हुआ।

परिणाम एवं विवेचना :–

प्रस्तुत प्रयोग का मुख्य उद्देश्य प्रत्यक्षीकरण पर विन्यास के प्रभाव को जानना था, जिसकी समस्या यह अध्ययन करना था कि क्या प्रत्यक्षीकरण पर विन्यास का कोई प्रभाव पड़ता है? इस हेतु यह उपकल्पना बनाई गई कि विन्यास का प्रत्यक्षीकरण पर धनात्मक प्रभाव पड़ता है अन्य शब्दों में, निश्चित विन्यास की अवस्था में प्रत्यक्षीकरण की प्रक्रिया सरल एवं शीघ्र होगी। जिसमें प्रथम अवस्था अनिश्चित विन्यास में पात्र को विभिन्न वर्गों से संबंधित 10 एनाग्राम हल करने हेतु दिए गए जिसमें पात्र ने .... एनाग्राम हल किये जिसका प्रतिशत .... प्राप्त हुआ तथा एनाग्राम को हल करने में ....सेकण्ड का समय लगा जिसका .... औसत पाप्त हुआ। इसी प्रकार दूसरी अवस्था निश्चित विन्यास में पात्र को एक ही वर्ग से संबंधित 10 एनाग्राम हल करने हेतु दिए गए जिसमें पात्र ने .... एनाग्राम हल किये तथा जिसका .... प्रतिशत प्राप्त हुआ तथा एनाग्राम हल करने में .... सेकण्ड का समय लगा जिसका औसत ... . प्राप्त हुआ।

विवेचना :–

....

....

नोट :– विवेचना छात्र/छात्राएँ स्वयं अपने विवेक से लिखेंगे।

....

....

....

....

....

....

दण्ड चित्र क्रमांक 01

पात्र द्वारा दोनों अवस्थाओं में प्राप्त निष्पादन प्रतिशत

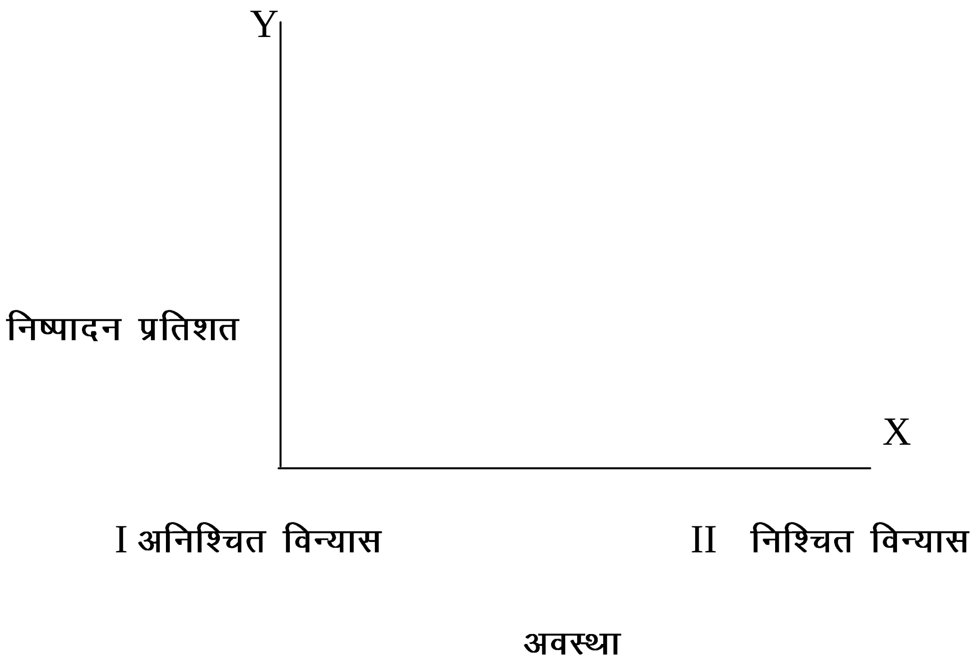

दण्ड चित्र क्रमांक 02

पात्र द्वारा दोनों अवस्थाओं में प्राप्त औसत समय